vyakran rachna lesson 17

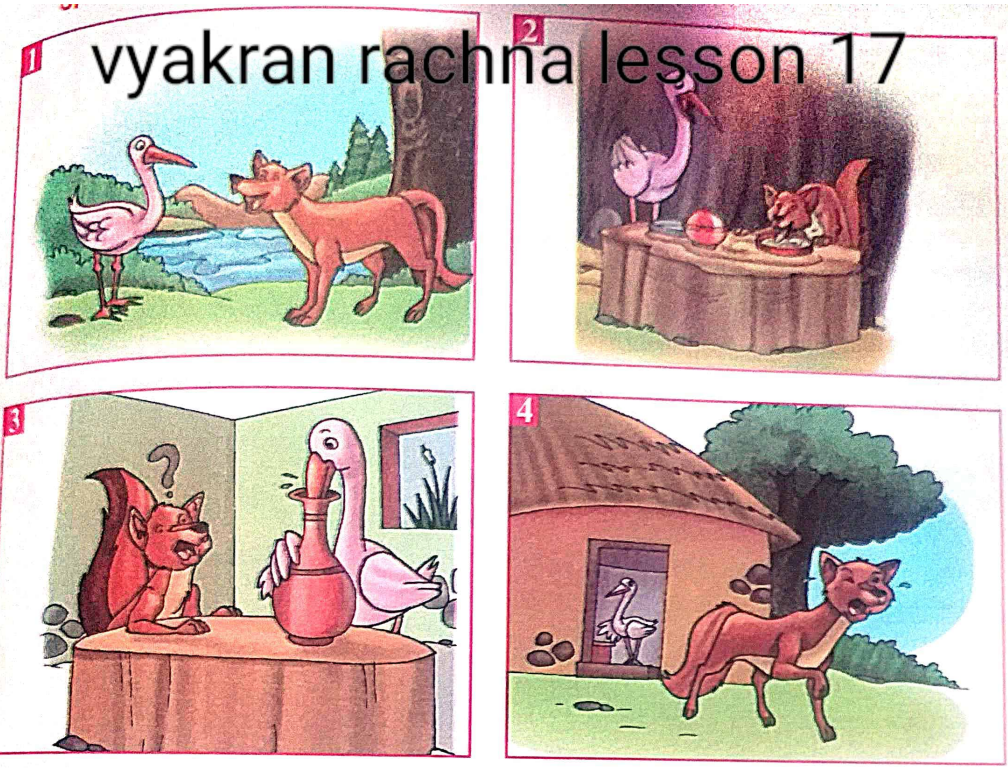

भोजन, भूखा, मूर्ख, लोमड़ी, सुराही, दोस्ती, थाली, सारस, भूखी, चोंच, भोजन

जैसा करोगे, वैसा भरोगे

एक लोमड़ी थी। एक सारस था। दोनों में दोस्ती हो गई। एक दिन लोमड़ी ने सारस को मूर्ख बनाने की सोची। उसने सारस को अपने घर भोजन पर बुलाया। सारस लोमड़ी के घर पहुँचा। लोमड़ी ने एक थाली में खीर रख दी। सारस की चोंच लंबी थी। पतली खीर उसकी चोंच में आती ही नहीं थी। बेचारा सारस भूखा ही रह गया। सारस को बहुत गुस्सा आया।

एक दिन उसने भी लोमड़ी को भोजन पर बुलाया। सारस ने एक सुराही में खीर रख दी। सुराही का मुँह छोटा था। लोमड़ी का मुँह सुराही के अंदर नहीं जा रहा था। लोमड़ी भूखी ही रह गई।

2. दिए गए चित्रों और शब्दों की सहायता से कहानी पूरी कीजिए—

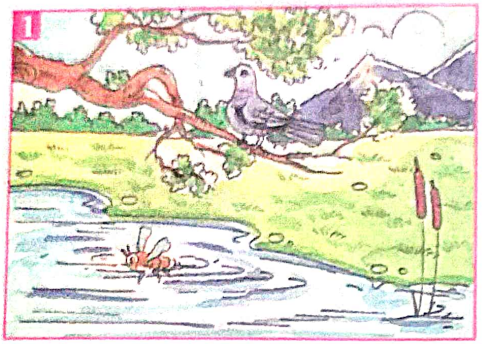

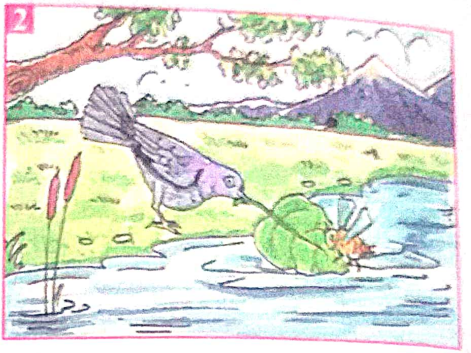

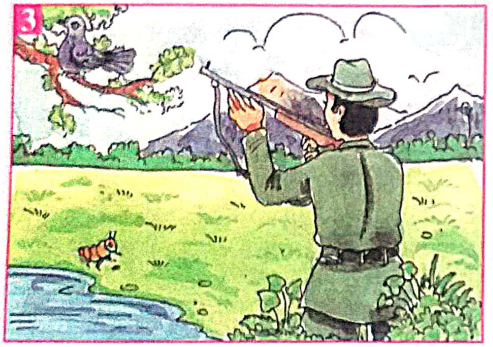

मधुमक्खी, शिकारी, पत्ता, कबूतर, धन्यवाद, पेड़, निशाना, डूबने, तालाब, किनारे, भलाई, काट, चीख

उपकार का बदला

जंगल में एक तालाब था। तालाब के किनारे एक पेड़ था। उस पर एक कबूतर बैठा था। तभी एक मधुमक्खी तालाब में गिर गई। उसके पंख भीग गए और वह पानी में डूबने लगी। कबूतर ने मधुमक्खी को डूबते देखा। उसने फौरन एक पत्ता तोड़ा और तालाब में डाल दिया। पत्ता मधुमक्खी के पास गिरा। मधुमक्खी पत्ते पर चढ़कर तालाब के किनारे आ गई। उसकी जान बच गई। उसने

कबूतर को धन्यवाद दिया।

एक दिन उस जंगल में एक शिकारी आया। उसने कबूतर पर निशाना साधा। मधुमक्खी ने यह देखा। वह उड़कर गई और शिकारी के हाथ में काट लिया। शिकारी की चीख सुनकर कबूतर उड़ गया। इस तरह मधुमक्खी ने कबूतर की जान बचाई। सच है, भलाई के बदले भलाई ही मिलती है।

3. नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से कहानी पूरी कीजिए—

बीमार, शक्ति, मुश्किल, लड़ते, एक-एक, किसान, उपाय, हानि, लकड़ियों, तोड़ने, एकता, आसानी

एकता में बल

एक गाँव में एक किसान रहता था। उसके चार बेटे थे। वे चारों आपस में सदा लड़ते रहते थे। किसान को हमेशा उनकी चिंता रहती थी। एक बार वह किसान बीमार पड़ गया। उसने अपने बेटों को सुधारने का उपाय सोचा। उसने लकड़ियों का एक गट्ठर मँगवाया। फिर चारों बेटों को अपने पास बुलाया। चारों बेटों से लकड़ियों का गट्ठर तोड़ने के लिए कहा। कोई भी उस गट्ठर को तोड़ नहीं पाया। अब किसान ने गट्ठर को खोला और चारों बेटों को एक एक लकड़ी दी। फिर चारों को अपनी-अपनी लकड़ी तोड़ने को कहा। चारों ने आसानी से लकड़ी तोड़ दी। किसान ने समझाया कि जब तक लकड़ियाँ इकट्ठी थीं, तब तक उन्हें तोड़ना मुश्किल था। अलग-अलग होने पर इनकी शक्ति कम हो गई। इसी तरह तुम चारों भाई यदि मिलजुलकर रहोगे, तो कोई भी तुम्हें हानि नहीं पहुँचा सकेगा। लड़के समझ गए कि एकता में ही शक्ति है।

4. नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से कहानी पूरी कीजिए—

पर्स, नौकरी, गरीब, नाम, खुश, लौटाया, पढ़ा-लिखा, ईमानदारी, दोस्त, कार्ड, पता, फैक्टरी

ईमानदार राकेश

राकेश नामक एक गरीब लड़का था। वह पढ़ा लिखा था, पर बेकार था। बहुत कोशिश करने पर भी उसे नौकरी नहीं मिल रही थी। एक दिन राकेश अपने दोस्त के घर जा रहा था। रास्ते में उसे एक पर्स मिला। राकेश ने देखा तो उसमें पूरे हजार रुपए थे। पर्स के अंदर उसे एक कार्ड मिला। उस पर पर्स के मालिक का नाम और पता लिखा हुआ था। राकेश उसी समय पर्स के मालिक के पास पहुँचा। राकेश ने मालिक को पर्स लौटाया। अपने रुपए वापस पाने पर मालिक बहुत खुश हुआ। उसकी अपनी एक बड़ी फैक्टरी थी। उसने राकेश को अपनी फैक्टरी में काम दे दिया। सच है, ईमानदारी का परिणाम हमेशा अच्छा ही होता है।

5. नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से चित्रकथा पूरी कीजिए—

जादुई, पेट, लालच, घायल, बेचकर, चाकू, सोने, सारे, सबक, चीर, लालच, घावों, अंडे

सुबह होने पर—

हैं!! सोने का अंडा। क्या यह सचमुच सोने का अंडा है! लगता है यह कोई जादुई मुर्गी है।

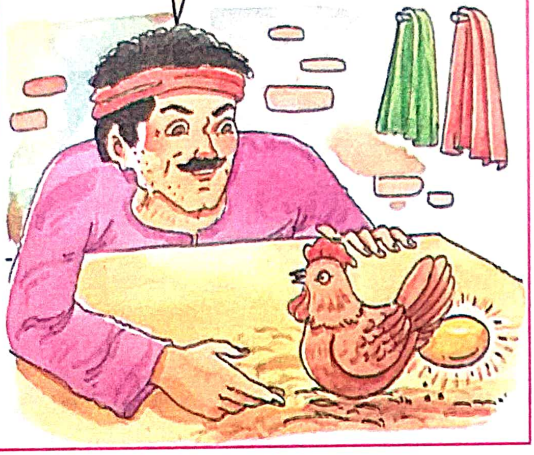

मुर्गी रोज़ सुबह सोने का एक अंडा देती।

वाह! फिर एक सोने का अंडा। अब मेरे पास दो अंडे हो गए। इन्हें बेचकर मैं नए कपड़े और घर का सामान खरीदूँगा।

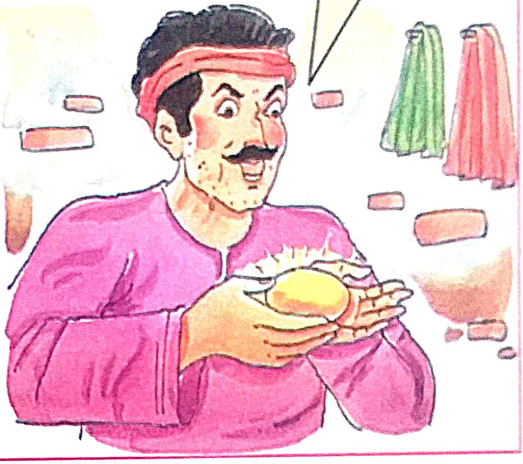

धीरे-धीरे किसान के मन में लालच पैदा होने लगा।

यह मुर्गी बहुत कंजूस है। इसके पेट में ढेर सारे अंडे होंगे; पर यह केवल एक-एक अंडा ही देती है।

किसान ने मुर्गी को धमकाते हुए कहा—

सुन मुर्गी! तेरे पेट में जितने भी अंडे हों, कल सुबह सारे दे देना। वरना मैं तेरा पेट चीर कर सारे अंडे निकाल लूँगा।

डर के मारे मुरगी ने अगले दिन एक भी अंडा न दिया।

हैं! ये क्या? आज एक भी अंडा नहीं दिया। अभी तुझे सबक सिखाता हूँ।

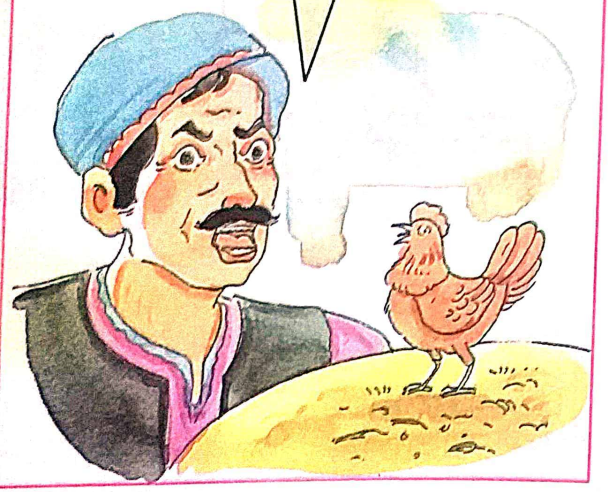

किसान ने चाकू से मुरगी चीर डाला।

हे भगवान! यह मैंने क्या लालच में पड़कर रोज़ मिलने व सोने के अंडे से भी हाथ धो बैठा।

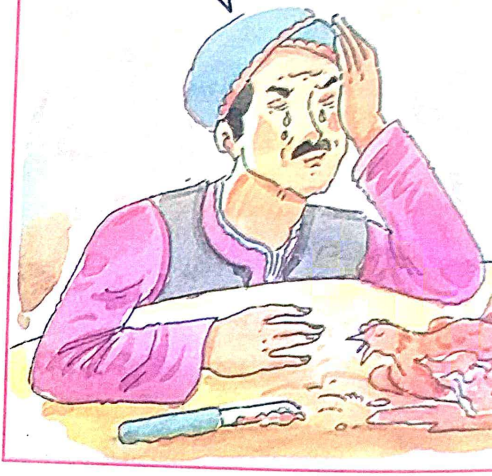

सीख - लालच बुरी बला।